बिहार विधान-सभा वादवृत्त

वृहस्पतिवार, तिथि २९ जून, १९७२ ।

भारत के संविधान के उपबन्ध के अनुसार एकत्र विधान-सभा का कार्य विवरण ।

सभा का अधिवेशन पटना के सभा-सदन में वृहस्पतिवार, तिथि २९ जून, १९७२ को पूर्वाह्न ११ बजे अध्यक्ष, श्री शकूर अहमद के सभापतित्व में प्रारम्भ हुआ ।

अल्प-सूचित प्रश्नोत्तर

कोर्ट में गिरफ्तारी

११६ । **श्री रामसेवक सिंह**—क्या मन्त्री, गृह (आरक्षी) विभाग यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(१) क्या यह बात सही है कि सासाराम के दारोगा श्री कृष्ण दूबे धबडांड़ पंचायत के मुखिया श्री रामरत्न सिंह को गैर-कानूनी रूप से ८ मई, १९७२ को सासाराम के श्री ए० प्रसाद, मुंसिफ दंडाधिकारी के कोर्ट में गिरफ्तार कर थाना ले गये जब कि वे कोर्ट में हाजिर थे और जमानत के लिये कोर्ट में आवेदन दिये हुए थे;

(२) यदि उपयुक्त खंड का उत्तर स्वीकारात्मक है तो उक्त दारोगा के विरुद्ध आम जनता पर जुल्म करने एवं उपर्युक्त मुखिया को कोर्ट में गिरफ्तार करने के लिए उचित कार्रवाई करने जा रही है; यदि हाँ, तो कबतक और नहीं तो क्यों ?

(इस अवसर पर अध्यक्ष महोदय ने आसन ग्रहण किया)

अध्यक्ष—शान्ति । प्रश्नोत्तर काल । प्रश्नोत्तर के आरम्भ में यह मैं कहना चाहता हूँ कि एक-न-एक कारण से इस सत्र में कई महत्वपूर्ण अल्पसूचित प्रश्न और

एक तीन वर्ष की अवधि पूरा कर चुके थे और दूसरे का तीन वर्ष से पहले ही तबादला हुआ।

(२) इस बार अर्थात् वित्तीय वर्ष १९७२-७३ में किसी भी प्रशाखा पदाधिकारी का स्थानान्तरण नहीं हुआ है।

(३) खंड (२) के उत्तर को देखते हुए प्रश्न ही नहीं उठता है।

बकाये का भुगतान

२५७६। **श्री राम सेवक सिंह**—क्या मंत्री, नदी घाटी योजना विभाग, यह बताने की कृपा करेंगे कि :—

(१) क्या यह बात सही है कि कार्यपालक अभियन्ता, नदी घाटी योजना विभाग, इन्द्रपुरी के यहाँ श्री रामराज सिंह चालक ने १९७० में आठ महिनों तक कार्य किया था;

(२) क्या यह बात सही है कि उक्त चालक का आठ महीनों की सेवा के बाद बिना सूचना छटनी कर दी गयी थी और उसका चार महीने के बाद वेतन का भुगतान नहीं किया गया है;

(३) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक है तो क्या सरकार उक्त चालक को उसके बकाये वेतन का भुगतान करना चाहती है तथा उनकी नियुक्ति करना चाहती है; यदि हाँ, तो कब तक और यदि नहीं, क्यों ?

श्री बुद्धदेव सिंह—(१) उत्तर नकारात्मक है। दैनिक नामावली प्रथम में अंकित उपस्थित के अनुसार श्री राम राज सिंह सैनिक चालक के पद पर चार महीना कार्यरत थे।

(२) चूँकि ये दैनिक नामावली में कार्यरत थे और इनकी सेवा की अवश्यकता नहीं थी। अतः इनको चार महीने की सेवा के पश्चात वंचित कर दिया गया। इसमें पूर्व सूचना की आवश्यकता नहीं है क्योंकि दैनिक नामावली में उपर्युक्त व्यक्तियों को बिना सूचना के कार्य मुक्त दिया जाता है। कार्यपालक अभियन्ता द्वारा कार्य अवधि के वेतन का भुगतान कर दिया गया है।

(३) उपर्युक्त खंड (२) के उत्तर को ध्यान में रखते हुए बकाये वेतन भुगतान का कोई प्रश्न नहीं उठता। चूँकि विभाग में अभी कोई जीप चालक का पद रिक्त नहीं है, अतः श्री रामराज सिंह को पुनः नियुक्ति करने का प्रश्न नहीं उठता।